सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 17 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 18 फरवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

थोड़ा ज्ञान जो प्रयोग में लाया जाए वो बहुत सारा ज्ञान जो बेकार पड़ा है उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।
-खलील जिब्रान

नीदरलैंड से मैच में बुमराह को मिल... 7 | सांसद निधि खर्च से जनता आंकेगी... 3 | सीएम को अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों... 2

एआई क्रांति का झूठा प्रदर्शन?

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने कटवा दी देश की नाक

» गल्गोटिया यूनिवर्सिटी ने चीनी यूनिट को भारतीय नवाचार बताकर किया पेश ?

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत को एआई सुपरपॉवर बनाने के दावों के बीच सबसे बड़ा झटका किसी विदेशी कंपनी ने नहीं बल्कि भारत की अपनी ही एक निजी यूनिवर्सिटी ने दे दिया। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मिट 2026 के मंच पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोटिक डॉग को भारत की तकनीकी ताकत का प्रतीक बनाकर पेश किया वही कुछ घंटों के भीतर भारत की तकनीकी साख पर सवाल बन गया।

जिस मशीन को भारतीय एआई क्रांति का चेहरा बताया जा रहा था उसकी सच्चाई सामने आते ही पूरे आयोजन पर अविश्वास का साया छा गया। स्थिति इतनी असहज हो गई कि सम्मेलन के दौरान ही गलगोटिया के स्टाल की लाइट बंद करनी पड़ी। जो रोबोटिक डॉग कुछ समय पहले तक कैमरों और प्रशंसा का केंद्र था वही अचानक चुपचाप अंधेरे में खड़ा कर दिया गया। सवाल उठने लगे क्या यह सच में भारतीय नवाचार था या केवल एक तकनीकी भ्रम जिसे भारत की उपलब्धि बताकर पेश किया जा रहा था?

सबसे गंभीर सवाल यह है

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीनी यूनिट को भारतीय नवाचार बताकर क्यो पेश किया? क्या यह केवल प्रदर्शन के लिए आयातित मॉडल था? अगर हां तो इसे भारत की एआई उपलब्धि के रूप में क्यों प्रस्तुत किया गया? यह मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि भारत और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक तनाव पहले से मौजूद है। भारत जहां आत्मनिर्भर एआई की बात कर रहा है वहीं चीनी तकनीक पर निर्भरता का आरोप इस पूरे नैरेटिव को कमजोर करता है। अगर भारत के एआई मंच पर चीनी तकनीक को भारतीय नवाचार के रूप में दिखाया गया तो यह केवल एक तकनीकी गलती नहीं बल्कि भारत की वैश्विक तकनीकी विश्वसनीयता के लिए बड़ा झटका माना जाएगा।

चीनी तकनीक का साया

चीन पहले से ही रोबोटिक्स और एआई हार्डवेयर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में है। चीनी कंपनियां जैसे युनीट्री रोबोटिक और डीप रोबोटिक ऐसे रोबोटिक डॉग बना रही हैं जिनका इस्तेमाल सेना सुरक्षा और औद्योगिक कार्यों में किया जा रहा है। ऐसे में जब भारत के मंच पर प्रदर्शित मॉडल की बनावट और मूवमेंट चीनी माडलों से मिलती जुलती दिखाई दी तो सवाल और गहरे हो गए।

नवाचार या आयातित प्रदर्शन?

सम्मिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदर्शित रोबोटिक डॉग को भारत की एआई क्षमता का उदाहरण बताया गया। इसे देखकर कई लोगों ने इसे भारतीय तकनीकी प्रगति का प्रतीक माना। लेकिन जैसे ही तकनीकी जानकारों ने इसकी बारीकियों को देखा संदेह गहराने लगा। चीन तो मानो इस ताक में बैठा था और एक युनिवर्सिटी की गल्ती ने उसे बैटिंग करने का पूरा मौका दे दिया। चीन ने ट्वीट किया और व्यंग कसा। चीन ने आरोप लगाये कि यह पूरी तरह भारतीय निर्माण नहीं था बल्कि विदेशी तकनीक पर आधारित एक मॉडल था। यदि यह सच है तो यह सवाल बेहद गंभीर हो जाता है क्या भारत के नाम पर विदेशी तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा था?

अव्यवस्था ने और बढ़ाई शर्मिंदगी

सम्मिट में शामिल लोगों के मुताबकि आयोजन में भारी अव्यवस्था रही। इस मुद्दे पर सोशल मीडिया पर तो जबर्दस्त रायता फैला हुआ है। हर कोई आयोजन को लेकर सवाल उठा रहा है। पत्रकार, कलमकार से लेकर भविष्य के होनहार छात्र हर कोई यही कह रहा है कि पहले तैयारियों करनी चाहिए थी फिर इस तरह का आयोजन यह स्थिति एक ऐसे आयोजन के लिए बेहद शर्मनाक थी जिसे भारत की तकनीकी ताकत का प्रतीक बताया जा रहा था।

- रजिस्ट्रेशन के बावजूद लोगों को एंट्री नहीं मिली
- एंट्री के लिए घंटों लंबी कतारें लगीं
- कई प्रतिभागी अपने ही स्टाल तक नहीं पहुंच पाए
- आयोजन स्थल पर वाई-फाई जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं थी

गलगोटिया के प्रदर्शन ने पूरे सम्मिट को संदेह में डाला

गल्गोटिया यूनिवर्सिटी का यह प्रदर्शन केवल एक स्टॉल तक सीमित नहीं रहा। इसने पूरे सम्मिट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। लोगों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए क्या यह सच में भारतीय एआई नवाचार था? अगर नहीं तो इसे भारतीय उपलब्धि क्यों बताया गया? क्या यह केवल प्रचार का हिस्सा था? यह सवाल केवल गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर नहीं, बल्कि पूरे आयोजन की पारदर्शिता पर उठने लगे।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने झुका दिया सर शर्म से

जब पूरी दुनिया भारत की एआई क्षमता को परख रही थी उसी समय गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस हरकत ने भारत को गर्व नहीं बल्कि शर्मिंदगी की स्थिति में ला खड़ा कर दिया है। हर ओर सवाल उठ रहे है कि आखिर युनिवर्सिटी ने ऐसा क्यों किया। अब सवाल सीधा है क्या गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भारत की एआई क्रांति को आगे बढ़ाया या उसे दुनिया के सामने कमजोर साबित कर दिया।

राहुल गांधी का अटैक

'एआई नहीं पीआर का आयोजन'

इस पूरे विवाद को राजनीतिक धार तब मिली जब राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सम्मिट भारत की तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देने के बजाय केवल सरकारी छवि सुधारने का प्रयास था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और डेटा का उपयोग देश को मजबूत बनाने के बजाय केवल प्रचार के लिए किया जा रहा है। उनके अनुसार यह आयोजन भारत के नवाचार को बढ़ावा देने के बजाय विदेशी तकनीक को प्रदर्शित करने का मंच बन गया। कांग्रेस ने भी अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि सरकार ने एआई जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को गंभीरता से लेने के बजाय इसे मजाक बना दिया।

सीएम को अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों से पूछना चाहिए आजादी से पहले वंदे मातरम् क्यों नहीं गाया : अखिलेश

» भाजपा व योगी सरकार पर जमकर बरसे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिष्ट जी को पता ही नहीं कि प्रदेश में क्या हो रहा है। इनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों ने कभी वंदेमातरम् नहीं गाया। न आजादी के पहले गाया और न आजादी के बाद गाया। इन्हें अपने अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों से पूछना चाहिए कि आपने आजादी से पहले वंदे मातरम् क्यों नहीं गाया।

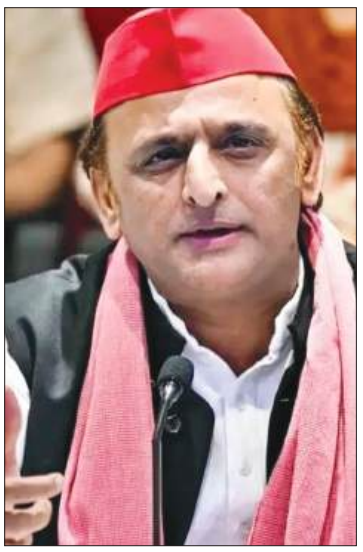

सुजलाम, सुफलाम क्यों नहीं गाया? वीबी रामजी योजना के विरोध को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार है। लेकिन यह सरकार विरोध नहीं सह पाती है। विरोध को न देख सकती है और न सुन सकती है। सिर्फ अपना राग गाती रहती है। इतनी झूठी सरकार आज तक नहीं देखी है।

श्री यादव ने कहा कि वीबी रामजी योजना में यूपी का बजट कम हो गया। इस योजना का विरोध करना अच्छी बात है। इससे सरकार को पता चलेगा कि जनता किस बात से नाराज है। योजना में क्या खामियां है? उसमें क्या संशोधन होना चाहिए? श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सच्चाई छिपा रही है। वीबी रामजी योजना में उत्तर प्रदेश का बजट कम हो गया। हम चाहते है कि वीबी रामजी योजना में दिल्ली सरकार यूपी को ज्यादा बजट दें। बजट ज्यादा आयेगा तभी लोगों को ज्यादा काम मिलेगा। इस सरकार में भ्रष्टाचार की पाइप लाइन महोबा से सीधी लखनऊ आ रही है। जिसकी वजह से टंकी गिर गयी। महोबा में तो पानी में दूध मिलाया गया है। पानी को सफेद कर बच्चों को पिलाया जा रहा है। इस सरकार के भ्रष्टाचार को प्रदेश की जनता समझ गयी है। जेन जी लोगों ने सीएम का नया शब्द निकाला है, करप्ट माउथ। जेन जी बहुत जागरूक है।

प्रदेश में विधायिका पर कार्यपालिका हावी : माता प्रसाद

» नेता प्रतिपक्ष ने विस में उठाया मुद्दा, बोले- थानेदार तक नहीं उठाते विधायकों के फोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने नियम 301 के तहत विधायिका पर कार्यपालिका के हावी होने का मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने सदन को बताया कि थानेदार तक विधायकों के फोन नहीं उठाते हैं और दलालों से गप करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका पीठ के निर्देशों का पालन भी नहीं कर रही है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है। सपा सदस्यों और सरकार का पक्ष सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने इस मामले को रिजर्व रखने और संसदीय कार्य मंत्री के साथ वार्ता कर जल्द व्यवस्था देने की बात कही।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अधिकारी कॉल बैक करना भी मुनासिब नहीं समझते हैं। यदि वह किसी बैठक में हैं तो उचित माध्यम से संदेश भिजवा सकते हैं। इस बाबत कई शासनादेश भी जारी हुए, जिसकी वह परवाह नहीं करते हैं। सचेतक कमाल अख्तर ने कहा कि पीठ के निर्देश सर्वोपरि हैं। विपक्ष तो सरकार में नहीं होने पर संतोष कर लेता है, लेकिन मंत्रियों और सत्ता पक्ष के विधायकों का भी फोन नहीं उठता है। इसी वजह से मंत्रियों और विधायकों को धरने पर बैठना पड़ रहा है। भाजपा विधायक खुद बताते हैं कि डीएम, एसपी तो दूर की बात है, अब पटवारी भी फोन नहीं उठाता है। इस पर लगाम लगनी चाहिए।

हाईकोर्ट के फैसले पलटने की कोशिश करते हैं अफसर : संग्राम सिंह

संग्राम सिंह ने कहा कि अधिकारी इतनी मनमानी पर उतर आए हैं कि हाईकोर्ट के फैसलों को भी पलटने का प्रयास करते हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि हावी होने का आरोप स्वीकार नहीं है। इसी सदन में 20 साल पुराने मामले में चार पुलिसकर्मियों को बुलाकर सजा दी गई थी। हालांकि जो अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं, सरकार उनके साथ नहीं है। ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी विधायकों का नंबर फीड करें और उन्हें कॉल बैक करें।

खतरे की घंटी वाला नंबर हो : असीम अरुण

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि हो सकता है कि अधिकारी बीमार हो, छुट्टी पर हो या निलंबित हो। कुछ सुस्त, बदतमीज और बेईमान भी होते हैं। इससे निपटने के लिए एक ऐसा नंबर हो जिस पर बताया जा सके कि फलां अधिकारी को फोन करने पर वह उठा नहीं रहे हैं। इसे प्रदेश और जिला स्तर पर शुरू किया जाए, जो खतरे की घंटी बन सकता है।

चिकित्सकों की जगह नहीं ले सकती एआई

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एआई इलाज पर दी राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआई को रोग निगरानी और रोकथाम से लेकर निदान और उपचार तक संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एकीकृत किया गया है। लेकिन चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं बल्कि एक कला भी है। स्वास्थ्य सेवा सिर्फ एल्गोरिदम पर नहीं, मानवीय स्पर्श, सहानुभूति, करुणा और संचार पर भी निर्भर करती है। ये ऐसे गुण हैं जिनकी नकल मशीनें नहीं कर सकतीं और ये हमेशा चिकित्सकों के अधिकार क्षेत्र में रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को इस टिप्पणी के साथ ऐसी आशंकाओं को निराधार करार दिया कि एआई डॉक्टरों की जगह ले सकता है। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि यह प्रौद्योगिकी पूरे चिकित्सा जगत के लिए फायदेमंद साबित होगी। एआई इम्पैक्ट समिट में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने कहा कि एआई का उद्देश्य संवर्धन और सहायता करना है, चिकित्सकों को प्रतिस्थापित करना नहीं। नियमित और उच्च गहन कार्यों के बोझ को कम करके एआई डॉक्टरों को जटिल मामलों और महत्वपूर्ण नैदानिक निर्णय लेने के लिए अधिक समय देने में सक्षम बनाता है।

जटिल मामलों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे विशेषज्ञ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने रोग निगरानी से लेकर रोकथाम, निदान और उपचार तक संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली में एआई को एकीकृत कर लिया है। अनुप्रिया ने कहा, रोजमर्रा के साधारण और अधिक संख्या में आने वाले मामले एआई निपटाएगा और चिकित्सक या हमारे विशेषज्ञ जटिल मामलों या नैदानिक फैसले लेने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। हम 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. ऐसे में स्वास्थ्य विकास के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। भारत की विशाल और विविध जनसंख्या, ग्रामीण-शहरी विभाजन बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में. प्रौद्योगिकी अपरिहार्य सक्षमकर्ता है।

हरियाणा में भाजपा क्राइम कंट्रोल करने में नाकाम : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

» पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश की भाजपा सरकार हमला बोला। उन्होंने कहा बीजेपी क्राइम कंट्रोल करने में नाकाम साबित हुई है। ऊपर से एक अधिकारी को प्रतिबिंब के तौर पर खिलौना दिखाने पर कांग्रेस विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर धौंस दिखा रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा राष्ट्रीय स्तर पर असुरक्षित राज्यों में से एक है। उद्योगपति पलायन करने को मजबूर हैं। नए निवेश आ नहीं रहा है। हालत यह है कि प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जिसे कोई मारना नहीं चाहता। विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर काम रोको प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरेआम

व्यापारी, डॉक्टर व पूर्व विधायक से रंगदारी मांगी जा रही है। गैंगस्टर बाहर बैठकर वारदात के बाद वारदात अंजाम दे रहे हैं, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि रोहतक में एक दिन पहले आईजी कार्यालय के नजदीक एक युवक की सरेआम हत्या कर दी गई।

प्रदेश में 60 के करीब गैंग सक्रिय हैं। कभी बिश्नोई तो कभी भाऊ के नाम पर रंगदारी मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधानसभा के अंदर व जरूरत पड़ी तो सड़कों पर भी उतरकर प्रदर्शन करेगी। हुड्डा ने कहा कि साल 2005 से पहले भी यही हालात थे। कांग्रेस राज में गैंगस्टर का सफाया कर दिया गया था। साल 2015 के बाद फिर गैंगस्टर सक्रिय हो गए। डर के मारे व्यापारी, डॉक्टर व अन्य लोग रंगदारी देने पर मजबूर हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी बसपा

मायावती ने बिगुल फूंका, बोलीं- बाबा साहेब के सम्मान को जुट जाएं अंबेडकरवादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने यूपी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के सम्मान के लिए अंबेडकरवादी लोग देशभर में जुट जाएं। राजधानी लखनऊ में बुधवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अकेले यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने का बिगुल फूंक दिया।

अपने बयान में उन्होंने कहा कि यूपी में जैसे-जैसे चुनाव पास आएंगे, जो लोग हमारे खिलाफ हैं, वे हमें सत्ता से दूर रखने की और भी कोशिश करेंगे। हमारे खिलाफ साजिश करेंगे। सिर्फ यूपी में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सभी अंबेडकरवादियों को बाबा

साहेब डॉ. अंबेडकर का आत्म-सम्मान पाने के आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ लखनऊ में बैठक की। बसपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भाजपा सरकार की नीतियों से कुछ लोगों को छोड़कर, जिनके स्वार्थ की पूर्ति की जा रही है, अन्य समाज के सभी वर्ग के लोग बेहद निराश और त्रस्त हैं। लेकिन, उनमें से ब्राह्मण समाज अपनी उपेक्षा, असुरक्षा व अपमान के खिलाफ काफी मुखर है। जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। बसपा ने हमेशा ब्राह्मण समाज को पूरा सम्मान और न्याय दिया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि जिस तरह ब्राह्मण समाज मुखर है, उससे भाजपा काफी असजह व चिंतित है। इसके इतर बसपा ने उच्च समाज में खासकर ब्राह्मण समाज को बसपा ने जो पार्टी से लेकर सरकार में पद व आदर दिया वह किसी अन्य पार्टी या सरकार ने कभी नहीं दिया। मायावती का ब्राह्मणों के प्रति रुख बीते कुछ समय से बदला हुआ है। बीत दो महीने में मायावती ने जब-जब प्रेस वार्ता की तब-तब उन्होंने ब्राह्मणों का जिक्र किया है। बसपा को उम्मीद है विधानसभा-2027 चुनाव में सवर्ण जीत का स्वाद चखा सकते हैं। इसमें ब्राह्मणों की भूमिका सबसे अहम हो सकती है। इसलिए बसपा सुप्रीमो मायावती लगातार ब्राह्मणों के हितों के लिए लगातार मुखर होकर मुद्दों पर बात रख रही हैं।

सांसद निधि खर्च से जनता आंकेगी नेता जी का विकास?

हरसिमरत कौर सबसे आगे पूर्व सीएम चन्नी पीछे

फतेहगढ़ साहिब के एमपी अमर सिंह ने प्रधान के क्षेत्र में दिया धन

» पंजाब-चंडीगढ़ में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के आंकड़ें जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विस चुनाव होने है। सांसदों व विधायकों ने अपने-अपने निधियों के हिसाब किताब देने आरंभ कर दिए है। इससे आमजनों में अपने जनप्रतिनिधियों के कामकाज के आंकलन का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी। वह यह फैसला कर सकेंगे कि किसे वोट देना है किसे नहीं। यहीं नहीं जम्मू-कश्मीर में इस मद से किए गए खर्चे पर बवाल भी मचा है। कुछ सांसदों को इधर-उधर फंड खर्च करने पर बवाल मचा है।

पंजाब में सांसद निधि खर्च करने में हरसिमरत कौर सबसे आगे, पूर्व सीएम चन्नी पीछे हैं। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) के तहत निधि जारी करने में पंजाब के सांसदों के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। आंकड़ो के अनुसार फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने 9.80 करोड़ में से 6.29 करोड़ रुपये (64 प्रतिशत)जारी किए हैं। अब तक 2.52 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और 84.90 लाख रुपये के कार्य पूरे हुए हैं। रोचक बात यह है कि अमर सिंह ने अपने क्षेत्र से अधिक कार्य लुधियाना संसदीय क्षेत्र में कराए हैं, जहां से पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग सांसद हैं।

औजला ने की 6.53 करोड़ के कार्यों की सिफारिश

अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने 6.53 करोड़ रुपये (66 प्रतिशत) के विकास कार्यों की सिफारिश की है। इनमें से 3.44 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और 66.71 लाख रुपये के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। औजला ने अधिकांश कार्य अपने संसदीय क्षेत्र अमृतसर में ही कराए हैं। दूसरी ओर, बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल ने 10.94 करोड़ रुपये की सीमा में से 10.93 करोड़ रुपये की सिफारिश कर 99 फीसदी उपयोग दर्ज किया है। अब तक 5.73 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और 2.82 करोड़ रुपये के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। हालांकि, उनके कई कार्य श्री मुक्तसर साहिब में भी हुए हैं, जो फिरोजपुर संसदीय क्षेत्र में आता है।

सांसद जुगल ने अपने ब्लॉक को ही दे दिए एक चौथाई काम

भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) के तहत कराए जाने वाले कामों में अपने ब्लॉक और अपनी पंचायत पर खास मेहरबान हैं। सांसद शर्मा ने वर्ष 2024 में तीसरी बार सांसद बनने के बाद 176 विकास कार्यों की सिफारिश की। इनमें से 132 काम जम्मू जिले के लिए हैं। खास बात है कि जम्मू लोकसभा क्षेत्र में 43 ब्लॉक व करीब 590 ग्राम पंचायतें हैं। कुल प्रस्तावित 176 कार्यों में से 50 अपने गृह ब्लॉक डंसाल व 27 अपने ग्राम पंचायत किशनपुर को दिए हैं। नगरोटा ब्लॉक के लिए 21 विकास कार्य सुझाए गए हैं। नगरोटा, डंसाल से सटा हुआ ब्लॉक है और दोनों ही नगरोटा विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा हैं। सांसद बनने से पहले जुगल किशोर वर्ष 2002 और 2008 में इसी क्षेत्र से विधायक रहे हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में उनके भाई और भाजपा नेता नंदकिशोर शर्मा ने यहां से चुनाव लड़ा था। अब भी वे यहां सक्रिय हैं। इसके अलावा शेष 61 कार्य पूरे जम्मू जिले के अन्य क्षेत्रों के लिए हैं। जहां-जहां कार्य की जरूरत महसूस हुई और जिस क्षेत्र से लोगों ने मांग की वहां सांसद निधि से विकास कार्यों की सिफारिश की गई है। जो ब्लॉक रह गए हैं वहां के लोग मांग करेंगे तो वहां भी काम दिए जाएंगे।

हरसिमरत कौर बादल 99 फीसदी राशि की सिफारिश कर शीर्ष पर

जालंधर से कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी जहां सबसे पीछे हैं, वहीं बठिंडा से शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल 99 फीसदी राशि की सिफारिश कर शीर्ष पर हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि कई सांसदों ने पूरी राशि उपयोग में लाने की दिशा में तेजी दिखाई, जबकि कुछ अब भी सुस्त रफ्तार में हैं।

प्रधान के क्षेत्र में विकास करवा रहे सांसद अमर सिंह

फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने 9.80 करोड़ में से 6.29 करोड़ रुपये (64 प्रतिशत) जारी किए हैं। अब तक 2.52 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और 84.90 लाख रुपये के कार्य पूरे हुए हैं। रोचक बात यह है कि अमर सिंह ने अपने क्षेत्र से अधिक कार्य लुधियाना संसदीय क्षेत्र में कराए हैं, जहां से पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग सांसद हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, उनकी 180 सिफारिशों में से लगभग 115 कार्य लुधियाना क्षेत्र से जुड़े हैं। कुछ कार्य मलेरकोटला में भी कराए गए हैं।

इन सांसदों ने खूब किया खर्च

अन्य सांसदों में गुरदासपुर से सुखजिंदर सिंह रंधावा ने 87 प्रतिशत, होशियारपुर से राज कुमार चब्बेवाल ने 97 प्रतिशत फिरोजपुर से शेर सिंह घुबाया ने 98 प्रतिशत, संगरूर से गुरमीत सिंह मीत हेयर ने 80 प्रतिशत, पटियाला से धर्मवीर गांधी ने 89 प्रतिशत, आनंदपुर साहिब से मालविंदर सिंह कंग ने 86 प्रतिशत, खडूर साहिब से सरबजीत सिंह खालसा ने 93 प्रतिशत और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने 83 प्रतिशत राशि की सिफारिश की है। आंकड़े बताते हैं कि सांसद निधि के उपयोग में पारदर्शिता और गति दोनों ही सवालों के घेरे में हैं। अब निगाह इस पर रहेगी कि शेष राशि कब तक विकास कार्यों में बदलती है।

चन्नी ने 9.80 करोड़ रुपये की आवंटित सीमा में से केवल 3.82 करोड़ रुपये के कार्यों की सिफारिश की

जालंधर से सांसद चन्नी ने 9.80 करोड़ रुपये की आवंटित सीमा में से केवल 3.82 करोड़ रुपये के कार्यों की सिफारिश की है, जो करीब 33 फीसदी बनता है। इनमें से 1.55 करोड़ रुपये की राशि विभिन्न परियोजनाओं पर खर्च हो चुकी है और 97.13 लाख रुपये के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। तीन कार्यों (17 लाख रुपये) को छोड़ अधिकांश सिफारिशें उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के लिए ही की हैं।

यूपी पर सांसद निधि बरसाने की वजह बताएं सांसद खटाना, कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस ने कहा कि भाजपा के राज्यसभा सांसद गुलामी अली खटाना बताएं कि यूपी पर सांसद निधि बरसाने की वजह क्या है। खटाना की निधि की जांच कराने के साथ ही भाजपा से भी स्पष्टीकरण मांगा है। सांसद जम्मू-कश्मीर के निधि बरसाई यूपी पर' और 'पीटी उषा, सदानंद मास्टर ने केरल व सुधा मूर्ति ने कर्नाटक के लिए की 100 फीसदी कामों की सिफारिश' का हवाला देकर भाजपा को भी घेरा है। कांग्रेस प्रवक्ता

रविंद्र शर्मा ने कहा खुद को गरीबों और पिछड़े/एससी/एसटी वर्ग की सबसे बड़ी हितैषी बताने वाली भाजपा और उनके सांसद खटाना बताएं कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के हिस्से की 94 फीसदी निधि हजारों किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश में खर्च की। शाहजहांपुर जिले में ही सर्वाधिक निधि क्यों खर्च की गई। काम कराने के लिए महज चार फर्म और उसमें भी आरएमके इंटरप्राइजेज को 46 फीसदी निधि क्यों दी गई। 150 काम पूर्ण पर एमपीलैड पोर्टल पर फोटो सिर्फ 12 कार्यों की ही क्यों। प्रदेश प्रवक्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और खटाना खुद को गुज्जर एवं बकरवाल समुदाय का सबसे बड़ा शुभचिंतक बताते हैं लेकिन उनके ही हिस्से की निधि दूसरे प्रदेश में खर्च की जा रही है। यह भी चिंताजनक है कि सांसद निधि से 150 काम पूर्ण हो चुके हैं लेकिन एमपीलैड पोर्टल पर फोटो सिर्फ 12 कार्यों की अपलोड की गई है। शेष कार्य हुए या नहीं इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। रविंद्र शर्मा ने कहा, मुद्दे को जनता के बीच लेकर जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब तक उजड़ती रहेगी असमय किसी मां की खोक

कभी मुंबई, कभी पुणे तो कभी कानपुर अब राजधानी दिल्ली में हिट रन का केस सामने आया है। इसमें एक नाबालिग ने अपनी तेज रफ्तार एसयूवी से 23 वर्षीय साहिल धनेशरा को मार डाला। फिर एकबार खूब शोर होगा कि नाबालिगों के ऊपर लगाम लगेगी। दो-चार दिन पुलिस व प्रशासन चालान काटेगा फिर मामला ठंडा पड़ जाएगा। यह एक गंभीर मामला है। सरकारों को गंभीरता से ऐसे कानून बनाने होंगे जिससे इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगे और असमय किसी मां की खोक न उजड़े। दिल्ली में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय साहिल धनेशरा की मौत के मामले में अब एक नया वीडियो सामने आया है, जिसने हादसे को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह वीडियो उसी स्कॉर्पियो एसयूवी के अंदर शूट किया गया था, जो दुर्घटना में शामिल थी। हादसे वाले दिन बनाई गई इस रील में नाबालिग चालक तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो दौड़ाता दिख रहा है। सड़क पर डिवाइडर नहीं है और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तेज गति से चल रही गाड़ी एक बस से बाल-बाल बचती है। सामने की सीट पर बैठी एक लड़की पर्स हाथ में लेकर वीडियो बनाती नजर आ रही है।

बताया जा रहा है कि वीडियो बना रही लड़की आरोपी नाबालिग की बहन है। हालांकि, इस वीडियो से दुर्घटना के समय गाड़ी की सटीक रफ्तार का पता नहीं चल पाया है। यह भीषण हादसा 3 फरवरी को सुबह 11: 57 बजे द्वारका साउथ थाना क्षेत्र में लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के पास हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस को स्कॉर्पियो, एक स्विफ्ट डिजायर टैक्सी और साहिल की मोटरसाइकिल के बीच टक्कर के बाद कई वाहनों के आपस में टकराने का मंजर मिला। इससे पहले सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने हादसे की भयावहता को और स्पष्ट कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक साहिल की मौत अत्यधिक रक्तस्राव (हेमरेज) के कारण हुई। सिर के बाईं ओर खोपड़ी में फ्रैक्चर और स्कैल्प के नीचे खून का थक्का पाया गया। मृत्यु का कारण क्रेनियो-सेरेब्रल इंजरी के चलते हुआ हेमरेजिक शॉक बताया गया है। साथ ही दाहिने हाथ और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को भी नुकसान पहुंचा था। दिमाग में खून के थक्के और सूजन मिली सिर के बाएं हिस्से में सबस्कैल्प हेमेटोमा और टेम्पोरो-पैरिएटल क्षेत्र में खोपड़ी की हड्डी टूटना दर्ज किया गया। इसके अलावा दिमाग में बड़े स्तर पर सबड्यूरल हेमेटोमा, खून के थक्के और सूजन पाई गई। मुंह के भीतर भी खून के थक्के मिले, जो गंभीर चोटों की पुष्टि करते हैं। यह पूरी रिपोर्ट साफ तौर पर बताती है कि साहिल की मौत अत्यंत गंभीर सिर और छाती की चोटों के कारण हुई।

यह एक गंभीर मामला है। सरकारों को गंभीरता से ऐसे कानून बनाने होंगे जिससे इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगे। और असमय किसी मां की खोक न उजड़े दिल्ली हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय साहिल धनेशरा की मौत के मामले में अब एक नया वीडियो सामने आया है, जिसने हादसे को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजस्व घाटे के बहाने तैयार रणनीति

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताह की शुरुआत में सुभाष राजटा की लिखी एक खबर छपी थी, जो हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार द्वारा अपने इस्तेमाल के लिए 10 लग्जरी कारें खरीदने के बारे में थी -जबकि ठीक इसी वक्त मुख्यमंत्री 16वें वित्त आयोग के कर्ता-धर्ताओं से राज्यों को दिए जाने वाला राजस्व घाटा अनुदान बंद करने और मितव्ययिता अपनाने वाले अपने उस फैसले पर पुनर्विचार के लिए गुहार लगाने दिल्ली गए थे- इस खबर से हंगामा मच गया। लोगों का पूछना वैध है कि अगर स्कूलों, बसों, अस्पतालों वगैरह के बजट में कटौती की जा रही है तो ऐसे में मंत्रियों और नौकरशाहों को फैंसी, नई कारों का इस्तेमाल करने की जरूरत क्यों है -देखा जाए तो, 'लाल बत्ती' का खुमार नई गाड़ियों की खरीद करने से नहीं रोकता।

फिर, हिमाचल सरकार अपनी ही पार्टी की बनाई उस 'सुधार संहिता पुस्तिका' से सबक क्यों नहीं ले रही, जिसे 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने लागू किया था, और जिसको बनाने में उस वक्त के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और वित्त सचिव मोंटेक सिंह आहलूवालिया ने अच्छी-खासी मदद की थी। इससे न केवल भारत को बदलने में मदद मिली बल्कि भारतीयों को दुनिया का सामना करने का आत्मविश्वास भी मिला। (लगता है कि सुक्खू ने कुछ नए उपाय सीखने के लिए पिछले दिनों पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से मुलाकात की है)। निश्चित तौर पर, 6,390 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा, जो कि हिमाचल प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 फीसदी बनता है, सुक्खू के लिए एक समस्या है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि राजस्व घाटे में रहने वाला केवल उनका राज्य ही एकमात्र है। न ही ऐसा है कि पैसा खर्च करना कोई बुरी बात है— लेकिन हम सब जानते हैं कि जरूरत से अधिक खर्च (जब तक कि यह आपको ऐसे कर्ज में न डाल दे जिसे आप चुका न पाएं) अर्थव्यवस्था चलाए रखने में मददगार होता है। इसीलिए यह मापने करने के लिए कितना कर्जदार आपका सूबा है, मुख्य पैमाना निरोल आकंड़े न देखकर, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटे का प्रतिशत कितना है, यह देखना चाहिए।

तो पंजाब का अनुमानित राजस्व घाटा, जो 23,957 करोड़ रुपये है, जो कि सूबे के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत बनता है, और यह काफी ज्यादा है। तमिलनाडु का राजस्व घाटा 41,635 करोड़ रुपये तो और भी ज्यादा है,

लेकिन यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का महज 1.17 प्रतिशत है। केरल की मार्क्सवादी सरकार- जो अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक भलाई योजनाओं में लगाती है और जिसकी आबादी पंजाब जितनी ही है- उसका राजस्व घाटा पंजाब के मुकाबले ज्यादा है, 27,125 करोड़ रुपये, लेकिन सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में राजस्व घाटा उससे कम है, यानी 1.9 फीसदी। वहीं दूसरी ओर, भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक कर्नाटक का राजस्व घाटा 19,262 करोड़ रुपये है, जो कि उसके सकल घरेलू उत्पाद के परिप्रेक्ष्य में महज 0.6 फीसदी बनता है। छोटे से हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा जैसे कुछ पैमानों पर अच्छा कर दिखाया है, लेकिन वह अपना खर्च पूरी तरह से अपने तौर पर चलाने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं जुटा पाता। दूसरी ओर, तमिलनाडु जैसे कहीं ज्यादा बड़ा सूबे, भले ही वे मुफ्त की रेवड़ियां बांटने में पैसा उड़ाते हों - यह सब करने का आरोप हिमाचल पर भी है - अपने बजट को काबू में रख पाते हैं क्योंकि बड़े पैमाने के निवेश इन्वेस्टमेंट बूते वे अपने खर्च को पूरा कर पाते हैं। असल में, तमिलनाडु, जहां एक साल के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं -2027 में, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के साथ- उसने अपने राजस्व घाटे को और भी नीचे लाने का वादा किया है। दूसरी ओर, पंजाब और हिमाचल, दोनों के सामने खाली पड़ा खजाना मुंह बाए खड़ा है - और उसे भरने के उपाय उनके पास कम ही हैं। फिर भी, इसमें से कुछ अभी भी नया नहीं है। पिछले कुछ दिनों में जिस बात ने सच में सबको चौंका दिया है, वह जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व वाले 16वें वित्त द्वारा राजस्व घाटा अनुदान बंद करने की घोषणा न होकर बल्कि कुछ और ज्यादा जरूरी बात है।

वित्त आयोग ने एक बिल्कुल नया मापदंड जोड़कर केंद्र को प्राप्त कुल राजस्व में से राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से का फार्मूला बदल डाला है -जो उनके बजट का 41 प्रतिशत तक हुआ करता था। अब से किसी राज्य को केंद्र से मिलने वाला धन की मात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उसका योगदान कितना रहा। यहां पर दो संदेश हैं। पहला, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे लचीले और निवेश-मित्र राज्यों को फायदा होगा; जबकि हिमाचल प्रदेश जैसे सूबे, जिनकी आय क्षमता सीमित है।

प्रगतिशील दृष्टि से देखें फिल्मों में अभिव्यक्ति

रोहित कौशिक

क्या हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर असहिष्णुता और बढ़ रही है? क्या इस दौर में जाति और धर्म के नाम पर लोगों की भावनाएं कुछ ज्यादा ही आहत नहीं होने लगी हैं? ताजा मामला है 'घूसखोर पंडत' फिल्म का। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म का टाइटल बदलने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने विवेक से यह फैसला दिया है। इसलिए इस फैसले पर कोई सवाल नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अलग इस मुद्दे पर कई सवाल खड़े होते हैं। एक फिल्म का टाइटल यदि किसी समाज की भावनाएं आहत कर दे तो यह सवाल तो उठेगा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी क्या हम एक प्रगतिशील समाज बना पाए हैं? एक काल्पनिक फिल्म और काल्पनिक किरदार यदि किसी समाज की भावनाएं आहत करने की हिम्मत रखता है तो यह सवाल भी उठेगा कि क्या हमारी भावनाएं भी तो काल्पनिक नहीं हो गई हैं।

यह केवल ब्राह्मण समाज का मामला नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर किसी जाति या किसी धर्म के लोगों की भावनाएं आहत होती रहती हैं। बहरहाल, अब इस फिल्म का टीजर और उससे जुड़ी सभी प्रमोशनल सामग्री नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया अकाउंट और यूट्यूब से हटा ली गई हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में सूचना और प्रसारण मंत्रालय को नोटिस जारी कर दिया है। आयोग ने कहा है कि इस तरह के टाइटल और फिल्म सामग्री से न केवल समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ सकता है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था को भी खतरा हो सकता है। हमारे देश में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। सभी जातियों और धर्मों के लोगों ने इस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। जिस तरह अन्य जातियों और समाज के लोगों ने देश में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उसी तरह ब्राह्मण समाज के लोगों के योगदान को भी भूला नहीं जा सकता।

इस फिल्म के टाइटल 'घूसखोर पंडत' पर कई लोगों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि 'पंडित' शब्द आम तौर पर ब्राह्मण समाज और धार्मिक विद्वानों से जुड़ा होता है लेकिन इसके साथ घूसखोर शब्द जोड़ना गलत है। लोगों का मानना है कि इसमें ब्राह्मण समाज को गलत तरीके से दिखाया है। सवाल यह है कि अगर फिल्म में किसी एक जाति या समाज से जुड़ा कोई इंसान घूसखोर है और उसे घूसखोर या भ्रष्टाचारी दिखाया गया है और इसका टाइटल भी घूसखोर रखा गया है तो इससे उस पूरी जाति या समाज का अपमान कैसे हो गया? यदि एक चरित्र को उसकी जाति से जोड़कर घूसखोर लिखा गया है तो यह उस चरित्र के बारे में हैं न कि उस पूरे समाज के बारे में है। सवाल यह है कि इसे जानबूझकर एक जाति या समाज से जोड़कर क्यों देखा जा रहा है। इस दौर में हमारी भावनाएं इतनी जल्दी क्यों आहत होने लगती हैं? निश्चित रूप से यह समाज लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है लेकिन क्या एक पढ़े-लिखे समाज में हमारी मानसिकता भी बड़ी नहीं होनी चाहिए? क्या संकुचित मानसिकता से वास्तव में हम प्रगतिशील समाज के दायरे में आ पाएंगे? इस दौर में क्या हमारी समझ छोटी हो गई है या फिर हम जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं? कभी कोई किताब हमारी भावनाएं आहत कर देती है तो कभी कोई फिल्म हमारा अपमान कर देती है।

क्या वास्तव में हम 21वीं सदी का समाज कहलाने लायक हैं? हर जाति और धर्म में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। अगर अच्छाई और बुराई को हम किसी एक जाति या धर्म से जोड़कर देखने लगेंगे तो बहुत सारी समस्याएं पैदा हो जाएंगी। भ्रष्टाचार करने वाला इंसान किसी भी जाति या धर्म में हो सकता है। अगर किसी जाति या समाज का एक या कुछ इंसान भ्रष्टाचारी हैं तो इस आधार पर वह पूरा समाज भ्रष्टाचारी नहीं हो सकता। दरअसल, इस दौर में शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ। यह समाज पहले से अधिक पढ़ा-लिखा और प्रगतिशील है। निःसंदेह, प्रगतिशील दौर में जाति कमजोर होनी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस दौर में जाति और मजबूत हो गई है। जाति आधारित संगठन भी मजबूत हो रहे हैं। यही कारण है कि हर जाति अपने अपमान की बात करने लगी है। हमें यह समझना होगा कि किसी एक क्रियाकलाप से भला पूरी जाति का अपमान कैसे हो सकता है। इस दौर में भी मजबूत होती जाति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समाज में वैमनस्य पैदा कर रही है। आए दिन कहीं न कहीं जाति के अपमान के मुद्दे पर हंगामा होता रहता है। सवाल यह है कि क्या एक पढ़े-लिखे समाज में इस तरह की मानसिकता उचित है? निश्चित रूप से एक पढ़े-लिखे समाज से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

आलोचना होती है, भारतीय समाज अभी तक भी किताबों को पढ़ने और फिल्मों को देखने की प्रगतिशील सोच की समझ विकसित नहीं कर पाया है। लीक से हटकर जो किताबें और फिल्में होती हैं, वे हमारे चेतना-तंतुओं को झकझोरने का काम करती हैं। ऐसी किताबें और फिल्में अनेक तरह के सवाल तो उठाती ही हैं, कई पारम्परिक धारणाओं को भी तोड़ती हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हम अपने अंदर झांकने के बजाय ऐसी किताबों और फिल्मों को ही कठघरे में खड़ा करने लगते हैं। यही कारण है कि भावनाएं आहत होने के नाम पर या फिर समाज का अपमान होने के नाम पर किताबों और फिल्मों पर रोक लगाने की मांग अक्सर उठती रहती है। इस दौर में हमारे समाज में जाति और धर्म के नाम पर जिस तरह की नफरत फैलाई जा रही है, वह हमें अंधकार में धकेल रही है। अपनी मानसिकता को बदलकर ही भारतीय समाज इस अंधकार को दूर कर सकता है।

अकेले ट्रेवल करने के लिए लड़कियों के लिए बेस्ट हैं ये जगहें

एक समय था जब लड़कियां अकेले घर से बाहर निकलने से डरती थीं, लेकिन बदलते समय के साथ अब महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसके साथ-साथ वो अकेले यात्रा करने का प्लान भी कर रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सोलो ट्रैवलिंग एक बेहतरीन तरीका है अपनी खुद की दुनिया को जानने और अनुभवों को सहेजने का। अकेले यात्रा करने से आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और नई चीजों का अनुभव मिलता है। हालांकि, जब आप अकेले यात्रा करने का सोचती हैं तो ये जरूरी है कि आप ऐसी जगहों का चयन करें जहां सुरक्षा, सुविधा और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण हो। भारत में कई ऐसी अद्भुत जगहें हैं जो लड़कियों के लिए सबसे उपयुक्त मानी हैं, जहां न सिर्फ आप सुकून से यात्रा कर सकती हैं बल्कि अपने सफर को और भी यादगार बना सकती हैं। तो ऐसी कुछ बेहतरीन जगहें हैं जहां लड़कियां अकेले बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकती हैं और अपने सफर का भरपूर आनंद ले सकती हैं।

पुरी, ओडिशा

पुरी में न केवल समुद्र तट की सुंदरता है, बल्कि यहां की ऐतिहासिक संस्कृति भी बहुत समृद्ध है। यहां की शांतिपूर्ण और धार्मिक वातावरण के कारण महिलाएं अकेले यात्रा करने के लिए सुरक्षित महसूस करती हैं। पुरी के जगन्नाथ मंदिर की धार्मिक यात्रा भी एक शानदार अनुभव देती है।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

मनाली भारत के सबसे सुरक्षित और प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और ठंडी हवा अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए आदर्श बनाती है। मनाली में महिलाएं अकेले ट्रैकिंग, रिवर राफ्टिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद भी ले सकती हैं।

केरल

केरल जिसे भारत का स्वर्ग भी कहा जाता है, एक बेहद सुरक्षित राज्य है। यहां की वायनाड, मुन्नार और अल्लेप्पी जैसी जगहें महिलाओं के लिए आदर्श हैं। केरल में शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर अनुभव किया जा सकता है। यहां की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था भी काफी सुरक्षित और महिला-अनुकूल है।

कूर्ग, कर्नाटका

कूर्ग एक बेहद सुंदर और सुरक्षित स्थल है, जो महिलाओं के लिए आदर्श है। ये हिल स्टेशन अपनी चाय के बागानों, झरनों और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां के वातावरण में आपको शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद मिलेगा।

हंसना मना है

एक अंकल ने सोनू से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है? सोनू ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं।

सुरेश- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज़ क्या है? रमेश- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

एक महिला के पास फोन आया, आपका बेटा हमारे पास है, 25000 लेकर आओ, महिला- मैं पुलिस को फोन करती हूं, फोन करने वाला - हम पुलिस ही बोल रहे हैं, आपके बेटे का अपहरण नहीं, चालान हुआ है।

संता- मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। लड़की-पर मैं तुमसे बड़ी हूं। पूरे एक साल। संता- कोई बात नहीं। मैं एक साल बाद शादी कर लूंगा।

शिष्य- गुरूजी, ऐसी पत्नी को क्या कहते हैं, जो गोरी हो, लंबी हो, सुन्दर हो, होशियार हो, पति को समझती हो, कभी झगड़ा नहीं करती हो? गुरूजी- उसे मन का वहम कहते हैं, बेटा.. मन का वहम!

कहानी | मेंढक और चूहा

एक घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा, मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। इतना सुनते ही चूहे ने जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। मेंढक जलाशय से निकलकर कभी पेड़ के नीचे बने चूहे के बिल में चला जाता, तो कभी दोनों जलाशय के बाहर बैठकर काफी बातें करते। चूहा और मेंढक अपने मन की बात अक्सर एक दूसरे से साझा करते थे। मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक बार पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब देख रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। कम प्रयास से काम बनेंगे।

वृषभ मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

वृश्चिक चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

मकर घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

कुम्भ शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स : मोना

टी वी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं।

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं प्रियामणि, मोहित रैना संग आयेंगी नजर

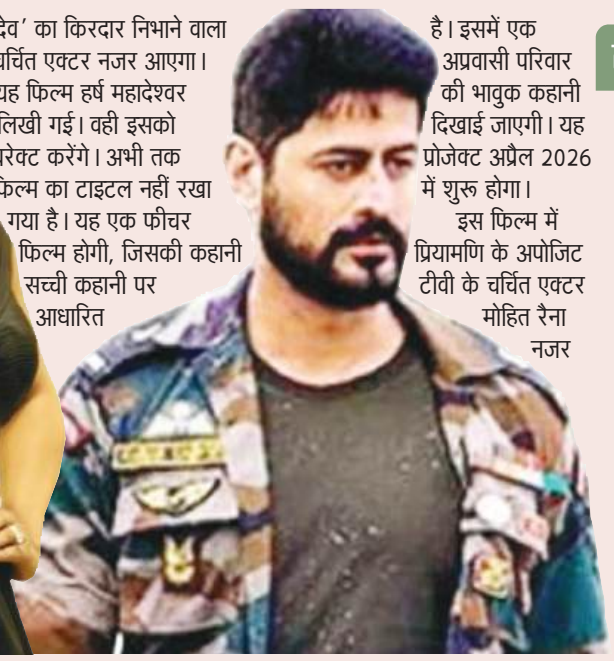

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसको डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा। इस फिल्म में प्रियामणि के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।'

बॉलीवुड | चर्चा

यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है।

बचपन से लेकर 55 तक देश का बच्चा बच्चा मेरे साथ रहा : राजपाल यादव

राजपाल यादव तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। बीते दिनों चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्होंने तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब उन्हें हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। अभिनेता जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने मुश्किल वक्त में साथ देने वालों का और अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया।

राजपाल यादव ने कहा, मैं 2027 में मुंबई में बॉलीवुड में 30 साल पूरे कर लूंगा। पूरे देश के लोग, बच्चे, बूढ़े और जवान, मेरे साथ हैं। जिस तरह से पूरे देश और दुनिया ने, मेरे बॉलीवुड ने, मुझे प्यार दिया है, अगर मेरे खिलाफ कोई आरोप हैं, तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूं। धन्यवाद, हाई कोर्ट। एक्टर ने कहा कि कोई लीगल जानकारी लेनी हो तो आप हमारे वकील साहब से पूछ सकते हैं। पिछले 10 साल में माननीय हाईकोर्ट ने जहां-जहां जो आदेश दिए हैं, मैं हाजिर मिला हूं। आगे भी मैं हाजिर मिलूंगा। एक्टर के मुताबिक, मुझ पर अगर कोई भी आरोप है तो मैं हर जगह उपलब्ध हूं। हाई कोर्ट का धन्यवाद। मुझे सुनने का मौका दिया। बता दें कि राजपाल ने 05 फरवरी 2026 को तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। अब रिहाई के बाद वे न सिर्फ भतीजी की शादी में शामिल हो सकेंगे, बल्कि होली का त्योहार भी अपने घर मना सकेंगे।

बॉलीवुड | गपशप

बता दें कि मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक्टर के लिए रिलीज वारंट जारी किया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अभिनेता के वकील ने बताया कि कड़कड़डूमा कोर्ट ने तिहाड़ जेल से उनके लिए रिलीज वारंट जारी किया है। वकील ने बताया कि राजपाल यादव को चेक बाउंस केस में हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। बता दें कि सोमवार को राजपाल यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता को 18 मार्च तक के लिए जमानत दी। इससे पहले कोर्ट ने राजपाल यादव के वकील को अंतरिम जमानत के लिए दोपहर 3 बजे तक प्रतिवादी यानी जिस कंपनी से उधार लिया है उसके नाम पर 1.5 करोड़ रुपये जमा करने का आदेश दिया था। अभिनेता ने ऐसा कर दिया, जिसके बाद कोर्ट ने 18 मार्च तक के लिए अभिनेता को जमानत दे दी।

अजब-गजब | लाखों लोगों के लिए जीवन का आधार बनी हुई है यह नदी

भारत की वो इकलौती नदी जो 5 राज्यों में बहती है

भारत में अनेक नदियां हैं, जो खेती-बारी के लिए जीवन रेखा के रूप में कार्य करते हुए देश के विकास में सहायता कर रही हैं। साथ ही स्थानीय लोगों की लाइफस्टाइल का दर्पण बनकर भारत की विविध संस्कृति को जीवंत बनाए रखती हैं। इनमें से कुछ नदियां पूरब से पश्चिम तो कुछ पश्चिम से पूरब की ओर बहती हैं। इस क्रम में कुछ नदियां एक राज्य में ही खत्म हो जाती हैं, तो कई नदियां अलग-अलग राज्यों से होकर गुजरती हैं। ऐसे में अगर आपसे पूछा जाए कि भारत की वो इकलौती नदी कौन सी है, जो पांच राज्यों से होकर गुजरती है? क्या आप उसका नाम जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि उस नदी का नाम गंगा है। यह पूरे 5 राज्यों से होकर बहती है और लाखों लोगों के लिए जीवन का आधार बनी हुई है।

उत्तराखंड में गंगोत्री को गंगा नदी का उद्गम स्थल यानी जन्म स्थान माना जाा है। वहां इसे भागीरथी के नाम से पुकारा जाता है। यह देवप्रयाग में अलकनंदा नदी से मिलकर गंगा नदी बनती है। लगभग 2,525 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह नदी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है।

उत्तराखंड से निकलने वाली यह नदी

अलकनंदा से मिलकर अपनी शक्ति बढ़ाती है। वहां से उत्तर प्रदेश के हरिद्वार, प्रयागराज और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक शहरों को छूती हुई बहती है। उसके बाद यह बिहार में बक्सर जिले में प्रवेश करती है। इसके बाद पटना, भागलपुर क्षेत्रों में यह नदी 30 मीटर से अधिक (लगभग 100 फीट) गहरी हो जाती है। फिर यह झारखंड के साहिबगंज जिले में केवल थोड़ी दूरी तक बहती है। वहां से यह पश्चिम बंगाल में प्रवेश करती है। कोलकाता के पास यह हुगली नदी के रूप में अलग हो जाती है। गंगा नदी का मुख्य भाग बांग्लादेश में प्रवेश करता है। वहां इसे पद्मा नदी के नाम से जाना जाता है। गंगा नदी 5 राज्यों से होकर बहती है, लेकिन इसका नदी बेसिन (जलग्रहण क्षेत्र) पूरे 11 राज्यों तक फैला हुआ है। यमुना, सोन, चंबल और गंडक जैसी सहायक नदियां अन्य राज्यों में उत्पन्न होकर या बहकर आकर गंगा में मिलती हैं। ये सभी गंगा नदी बेसिन का हिस्सा हैं। इस हिसाब से गंगा के बहने वाले 5 राज्यों के अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली (यमुना नदी बेसिन), राजस्थान (चंबल, बनास जैसी सहायक नदियां), मध्य प्रदेश (चंबल, बेतवा, केन, सोन जैसी सहायक नदियां), छत्तीसगढ़ (सोन नदी की सहायक नदियां) राज्य गंगा नदी बेसिन के अंतर्गत आते हैं। गंगा नदी में खुद को शुद्ध करने की क्षमता है। इस नदी में बैक्टीरियोफेज नामक वायरस पाए जाते हैं। ये पानी में हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। देश की अन्य नदियों की तुलना में गंगा में अधिक घुलित ऑक्सीजन (डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन) पाई जाती है। लुप्तप्राय और दुर्लभ गंगा नदी डॉल्फिन इसी नदी में निवास करती हैं। पश्चिम बंगाल में यह नदी दो भागों में बंट जाती है। एक भाग हुगली के रूप में कोलकाता की ओर तो दूसरा पद्मा के रूप में बांग्लादेश की ओर चला जाता है। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियां मिलकर जहां बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं, वहां दुनिया का सबसे बड़ा नदी मुहाना (डेल्टा) सुंदरबन डेल्टा बनता है।

इंसान के शरीर की इकलौती हड्डी जो दूसरी हड्डी को नहीं छूती

मानव शरीर किसी जटिल मशीन से कम नहीं है। हमारे शरीर की बनावट 206 हड्डियों से मिलकर बनी है, जो हमें सहारा देने के साथ-साथ चलने-फिरने और अंदरूनी अंगों की सुरक्षा करने का काम करती हैं। लेकिन इन्हीं हड्डियों में एक ऐसी हड्डी भी होती है, जो किसी दूसरी हड्डी से सीधे नहीं जुड़ी होती। इस खास हड्डी को हाइओइड बोन कहा जाता है, जो गले के हिस्से में स्थित होती है। वैज्ञानिक इसे शरीर की इकलौती 'फ्लोटिंग बोन' मानते हैं, क्योंकि यह मांसपेशियों, लिगामेंट्स और कार्टिलेज से तो जुड़ी रहती है, लेकिन किसी अन्य हड्डी से संपर्क में नहीं होती। यही वजह है कि यह मानव शरीर की सबसे अनोखी हड्डियों में गिनी जाती है। हाइओइड बोन ठोड़ी और थायरॉइड कार्टिलेज के बीच गले में स्थित होती है। इसका प्रमुख काम जीभ को सहारा देना, निगलने में मदद करना और बोलने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। हड्डी इतनी खास होती है कि फॉरेंसिक जांच में भी इसका उपयोग किया जाता है, क्योंकि गला दबाने या फांसी के मामलों में यह जल्दी टूट सकती है। इसका आकार घोड़े की नाल या अंग्रेजी के अक्षर जैसा होता है, जिसमें एक मुख्य भाग और दो जोड़ी सींग जैसे हिस्से होते हैं। एक बड़े और एक छोटे। बचपन में यह हड्डी नरम रहती है और उम्र के साथ मजबूत होती जाती है। खास बात यह है कि यह शरीर में बिना किसी दूसरी हड्डी से जुड़े स्वतंत्र रूप से कार्य करती है। हाइओइड के अलावा भी शरीर में कई रोचक हड्डियां मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, शरीर की सबसे छोटी हड्डी स्टेपीज है, जो कान के भीतर होती है और मात्र लगभग 3 मिलीमीटर लंबी होती है। सुनने की प्रक्रिया में इसकी अहम भूमिका होती है। स्टेपीज, हैमर और एनविल नाम की तीन सूक्ष्म हड्डियां मिलकर ध्वनि तरंगों को दिमाग तक पहुंचाती हैं। वहीं, जांघ में पाई जाने वाली फीमर शरीर की सबसे लंबी और मजबूत हड्डी मानी जाती है, जो भारी दबाव सह सकती है और बेहद मजबूत होती है। मानव शरीर की एक और दिलचस्प बात यह है कि जन्म के समय एक शिशु के शरीर में करीब 300 हड्डियां होती हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, इनमें से कई हड्डियां आपस में जुड़ जाती हैं और वयस्क होने पर उनकी संख्या 206 रह जाती है। बताया जाता है कि शरीर की आधे से ज्यादा हड्डियां हाथों और पैरों में होती हैं। हर हाथ में 27 और हर पैर में 26 हड्डियां मौजूद होती हैं।

तमिलनाडु के अंतरिम बजट पर बवाल

एआईएडीएमके व भाजपा ने साधा डीएमके सरकार पर निशाना

» विपक्ष बोला- द्रविड़ मॉडल नहीं धोखेबाज मॉडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के अंतरिम बजट पर पूरे राज्य में बवाल मच गया है। विपक्ष ने डीएमके सरकार पर सवाल उठाए हैं। आईएडीएमके नेता पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के अंतरिम बजट की आलोचना करते हुए डीएमके के द्रविड़ मॉडल को धोखेबाज मॉडल बताया है। उन्होंने बजट को ठोस आधार के बिना सिर्फ शब्दों का दिखावा करार दिया, जिससे राज्य की वित्तीय स्थिति पर सवाल उठते हैं। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने मंगलवार को अंतरिम बजट को लेकर मौजूदा डीएमके सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि तथाकथित द्रविड़ मॉडल एक धोखाधड़ी मॉडल में तब्दील हो गया है और इसने तमिलनाडु की जनता को परेशान किया है।

सीएम का बजट पर भाषण शब्दों के छल से भरा था : पलानीस्वामी

पलानीस्वामी ने कहा कि डीएमके सरकार, जिसने पिछले पांच वर्षों से तमिलनाडु की जनता को तथाकथित द्रविड़ मॉडल से परेशान किया है, जो एक दिखावटी मॉडल साबित हुआ है, ने विधानसभा में अपना अंतिम बजट पेश किया है। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष का अंतरिम वित्तीय विवरण भी ठोस आधार के बिना, शब्दों के छल से भरा एक दिखावटी भाषण मात्र है। डीएमके सांसदों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए एआईएडीएमके नेता ने बताया कि जहां 2025-26 के लिए राज्य का अपना कर राजस्व 2.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान था, वहीं संशोधित अनुमानों के अनुसार यह घटकर 2.32 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जिससे लगभग 26,000 करोड़ रुपये की कमी आई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्रीय कर राजस्व में तमिलनाडु का हिस्सा लगभग 7,000 करोड़ रुपये कम हो गया है।

आईएडीएमके नेता पलानीस्वामी ने कहा कि पिछले वर्षों की तरह, इस बजट में भी कोई ठोस आधार नहीं है और यह महज एक दिखावटी भाषण है।

विपक्ष ने राजकोषीय घाटे को लेकर सरकार को घेरा

पलानीस्वामी ने कहा कि 2025-26 के वित्तीय विवरण में राज्य का अपना कर राजस्व 2.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान था। हालांकि अनुमानों के अनुसार, यह घटकर 2.32 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जिससे लगभग 26,000 करोड़ रुपये की कमी आई है। केंद्रीय कर राजस्व में राज्य का हिस्सा भी लगभग 7,000 करोड़ रुपये कम हो गया है। विपक्ष के नेता ने बढ़ते राजकोषीय घाटे को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा 1.08 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था, लेकिन अब यह बढ़कर 1.24 लाख करोड़ रुपये हो गया है, यानी लगभग 16,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। पलानीस्वामी ने कहा कि 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा 1.08 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था, लेकिन संशोधित अनुमान के अनुसार यह बढ़कर 1.24 लाख करोड़ रुपये हो गया है, यानी लगभग 16,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। 2026-27 के अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटा 1.22 लाख करोड़ रुपये बताया गया है। और संशोधित अनुमानों में इसके और बढ़ने की संभावना है।

भाजपा और आरएसएस में फैली बीमारी नीचे तक पहुंची : मणिकम

» भाजपा अध्यक्ष की टीवीके प्रमुख व अभिनेत्री तृषा पर की गई टिप्पणी से भड़के कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन द्वारा तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) प्रमुख विजय और अभिनेत्री तृषा के बारे में की गई टिप्पणी पर तीखा प्रहार करते हुए इसे घटिया और अस्वीकार्य बताया और कार्रवाई की मांग की। टैगोर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा और आरएसएस में फैली बीमारी जिला स्तर तक, विशेषकर तमिलनाडु में फैल रही है। नागेंद्रन ने महिलाओं के खिलाफ ऐसे शब्द कहे हैं जो किसी राजनीतिक नेता को नहीं बोलने चाहिए। टैगोर ने कहा कि करूर से निर्वाचित सांसद के साथ भाजपा के जिला सचिव और जिला अध्यक्षों द्वारा एक सार्वजनिक सभा में जो किया गया है, वह अस्वीकार्य है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु पुलिस इस तरह की घटिया हरकत करने वालों को गिरफ्तार करेगी।

सभी दलों से निंदा का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को इस तरह के व्यवहार की निंदा करनी चाहिए, जो हर तरह के लोग करते हैं और

महिलाओं का अपमान करते हैं, खासकर एक सांसद का, साथ ही किसी भी आम महिला का। चाहे वह किसी भी पेशे में हो, चाहे पत्रकारिता में हो, शिक्षक हो या कोई भी महिला हो, उसके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, जैसा कि आरएसएस और भाजपा लगातार कर रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब नागेंद्रन ने हाल ही में विजय की आलोचना करते हुए तृषा के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी की। विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) लॉन्च की है। तृषा और विजय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। डीएमके राज्यसभा सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू ने कहा कि राजनीति में सक्रिय किसी व्यक्ति के निजी जीवन की आलोचना करना असभ्य और महिलाओं के लिए अपमानजनक है।

एयर इंडिया की विदेशी सेवाओं में गड़बड़ी ही गड़बड़ी : गुरजीत सिंह

» कांग्रेस सांसद ने नागरिक उड्डयन मंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एयर इंडिया की विदेशी सेवाओं में बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए, कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर भारत की प्रमुख एयरलाइन की लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की मांग की है। औजला ने उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जाने वाले प्रमुख मार्गों पर विमानों की खराब स्थिति को लेकर यात्रियों की बढ़ती शिकायतों का जिक्र किया है और इस मुद्दे को एक गंभीर और बढ़ता संकट बताया है जिसके लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है।

सांसद ने कहा कि यात्री, विशेषकर पंजाब और उत्तर भारतीय प्रवासी समुदाय से आने वाले लोग, अधिक किराया तो दे रहे हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाली सेवाएं वैश्विक मानकों से कहीं घटिया हैं। औजला ने लिखा वैंकूवर, टोरंटो और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली लंबी दूरी की उड़ानों में यात्री बहुत अधिक किराया दे रहे हैं, लेकिन उन्हें ऐसी विमानों में यात्रा करनी पड़ रही है जिनमें स्क्रीन काम नहीं कर रही हैं, सीटें टूटी हुई हैं, गद्दी घिसी हुई है और साफ-सफाई की हालत खराब है। यह अस्वीकार्य है। पत्र के अनुसार, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका जाने वाले अति लंबी दूरी के मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों ने बार-बार सीट-बैक एंटरटेनमेंट सिस्टम में खराबी, क्षतिग्रस्त आर्मरेस्ट, ढीले सीटिंग फिक्स्चर और खराब रखरखाव वाले केबिन इंटीरियर की शिकायत की है। औजला ने कहा कि ऐसी स्थितियां न केवल यात्रियों के आराम को कम करती हैं, बल्कि छात्रों, पेशेवरों और परिवारों द्वारा भारी मात्रा में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर भारत की विमानन प्रतिष्ठा को भी धूमिल करती हैं।

बिहार से बाहर भी अपना कद बढ़ाएगी राजद

» कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी ने जननायक कर्पूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि पर की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने पार्टी के भविष्य को लेकर एक बड़ा रणनीतिक बदलाव किया है। जननायक कर्पूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में तेजस्वी ने घोषणा की कि राजद अब केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एक राष्ट्रीय पार्टी बनने का लक्ष्य लेकर अन्य राज्यों में भी अपना आधार बढ़ाएगी। यादव ने कहा कि पार्टी अब अन्य राज्यों में चुनाव लड़ने से परहेज करने की अपनी पुरानी नीति से आगे बढ़ेगी, जो धर्मनिरपेक्ष मतों के बंटवारे से बचने के लिए अपनाई गई थी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, मार्च से हम पार्टी को मजबूत करने के लिए अभियान शुरू करेंगे। लालू प्रसाद ने राजद को राज्य में एक बड़ी ताकत बनाया। हमें उनके काम को आगे बढ़ाना है और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने की आकांक्षा रखनी है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हम बिहार ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी अपना आधार बढ़ाने की कोशिश करेंगे। अब तक हम वहां चुनाव मैदान में नहीं उतरते थे, ताकि हमारे सहयोगियों के 'धर्मनिरपेक्ष वोट' न बंटें। राजद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) का एक प्रमुख घटक है। यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, हम बिहार विधानसभा चुनाव इसलिए नहीं हारे कि हम कमजोर थे, बल्कि इसलिए हारे क्योंकि हमारा समय खराब था। हमारा समय जरूर आएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा की कठपुतली

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अचेत हैं और उनकी सरकार प्रभावशाली नौकरशाहों तथा सहयोगी भाजपा की कठपुतली बनकर चल रही है।उन्होंने कहा, "मैंने कहा था कि इस सरकार के 100 दिन पूरे होने तक मैं चुप रहूंगा। यह समयसीमा चार दिन में पूरी हो जाएगी। इसके बाद हम सत्ताधारी गठबंधन से चुनावी वादों को पूरा न करने पर जवाब मांगेंगे जिनमें से कई विचार हमसे उधार लिए गए थे।

अजित पवार की मौत की होगी सीबीआई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे की सीबीआई जांच की औपचारिक मांग की है। इसको सुनेत्रा पवार ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और घटना की व्यापक और स्वतंत्र जांच की मांग की।

बैठक के बाद बोलते हुए, एनसीपी के महाराष्ट्र अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार सहित वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर व्यापक जांच की मांग की थी। तटकरे ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से इस पूरी घटना की सीबीआई जांच कराने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने हमें आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई जांच कराने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

नीदरलैंड से मैच में बुमराह को मिल सकता है आराम

» आज के मुकाबले में अभिषेक के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। लगातार तीन मैच जीतकर ग्रूप ए में शीर्ष पर मौजूद भारतीय टीम का सामना आज नीदरलैंड से होगा। भारत पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है, इसलिए उसके पास अगले दौर से पहले अपनी कमियों में सुधार लाने का यह अच्छा अवसर होगा। ऐसे में टीम फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट हुए, नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। लेकिन जिस तरह ईशान ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया, उसे देखते हुए उनसे एक बार फिर बड़ी पारी देखने की उम्मीद होगी। गेंदबाजी के मोर्चे पर भारत के पास सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प है, कोलंबो में अतिरिक्त स्पिन विकल्प के रूप में अर्शदीप सिंह के स्थान पर कुलदीप यादव को चुनने के बाद उम्मीद है कि भारत फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के संयोजन पर वापस लौटेगा। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना है। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल संभाल सकते हैं और कुलदीप को बाहर बैठना पड़ सकता है।

जिम्बाब्वे सुपर आठ में ऑस्ट्रेलिया बाहर

पल्लेकल। जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच टी20 विश्व कप में ग्रूप बी का मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया है। इसके साथ ही दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। इसका फायदा जिम्बाब्वे को हुआ है और वह सुपर आठ चरण में पहुंच गई है। वहीं, 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का सफर ग्रूप चरण में ही थम गया है और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बारिश के कारण जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच में टॉस भी नहीं हो सका और अंततः मैच रद्द करने का फैसला लिया गया। ग्रूप बी से श्रीलंका की टीम सुपर आठ चरण में पहुंच चुकी है और जिम्बाब्वे इस ग्रूप से अगले दौर में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। जिम्बाब्वे ने लगातार दो मैच जीते और अब मैच रद्द होने से उसे एक अंक मिला जिससे उसके तीन मैचों में पांच अंक हो गए हैं और वह सुपर आठ में पहुंच गई है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर आखिरी मैच जीत भी जाती तो उसके चार अंक ही रहेंगे, इसलिए कंगारू टीम का सफर ग्रूप चरण में ही थम गया है। इसके अलावा आयरलैंड और ओमान भी बाहर हो गई है।

ममता बनर्जी के आगे बेबस चुनाव आयोग!

पश्चिम बंगाल में अब क्या करेगा चुनाव आयोग, चुनाव आयोग कर रहा है निलंबित तो ममता बनर्जी बचा रही है सरकारी कर्मचारियों को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सियासत में इस वक्त जो कुछ हो रहा है वह केवल प्रशासनिक टकराव नहीं है यह सीधे-सीधे सत्ता और संवैधानिक अधिकारों की टक्कर है। चुनाव आयोग ने सात सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को निलंबित कर दिया आरोप लगाया कि उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में लापरवाही बरती। लेकिन इससे पहले कि चुनाव आयोग अपनी कार्रवाई का प्रभाव देख पाता ममता बनर्जी ने साफ ऐलान कर दिया कि उनकी नौकरी नहीं जाएगी। यह केवल एक बयान नहीं है यह दिल्ली के लिए एक सीधा संदेश है।

यह संदेश है कि बंगाल में वह सब नहीं चलेगा जो दूसरे राज्यों में चुनाव आयोग करता आया है। चुनाव आयोग ने बिहार उत्तर प्रदेश और कई अन्य राज्यों में आक्रामक रवैया दिखाया है। अधिकारियों को हटाया गया निलंबित किया गया सरकारों को निर्देश दिए गए और उन्हें मानना पड़ा। लेकिन बंगाल में तस्वीर उलटी है। यहां आयोग कार्रवाई करता है और ममता बनर्जी उसके सामने ढाल बनकर खड़ी हो जाती हैं। यह वही ममता हैं जो आईपैक के दफ्तर पर छापेमारी की खबर मिलते ही खुद वहां पहुंच गई थीं। यह वही ममता हैं जो चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक चली गईं।

यह वही ममता हैं जो हर बार यह साबित कर रही हैं कि बंगाल में लड़ाई केवल चुनाव की नहीं बल्कि अधिकार और अस्तित्व की भी है। आज स्थिति यह है कि चुनाव आयोग कार्रवाई कर रहा है लेकिन उसका असर दिखाई नहीं दे रहा। ममता बनर्जी हर फैसले का जवाब दे रही हैं और इतना सख्त जवाब दे रही हैं कि आयोग भी रणनीति बदलने को मजबूर हो गया है।

फुटबाल की तरह खेल रही है राजनीति

फुटबाल गेम में जब दो मजबूत टीमे आमने सामने होती है तो वह पूरा टाइम लेकर खेल को आगे बढ़ाती हैं। पश्चिम बंगाल के होने वाले विधानसभा चुनाव में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। समय तेजी से आगे बढ़ रहा है और ममता बनर्जी भी यही चाहती हैं। क्योंकि राजनीति में समय ही सबसे बड़ा हथियार होता है। जितना समय बीतेगा उतना आयोग की कार्रवाई का असर कमजोर होगा और ममता की पकड़ मजबूत होती जाएगी।

क्या है ताजा मामला

पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर को लेकर काम में लापरवाही बरतने के आरोप में भारत निर्वाचन आयोग ने सात सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) को निलंबित करने का फरमान सुना दिया। फरमान के ठीक दूसरे दिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एलान कर दिया कि जिन कर्मचारियों को चुनाव आयोग ने निलंबित किया है उनकी नौकरी नहीं जाएगी और उन्हें दूसरे काम में लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का चुनाव संबंधी किसी भी कार्य से कोई संबंध नहीं होगा। लेकिन राज्य सरकार द्वारा उन्हें वैकल्पिक क्षेत्रों में नियुक्त किया जाएगा। मुझे विश्वास है कि वे वहां अच्छा काम करेंगे।

चुनाव आयोग की एकतरफा कार्रवाई से खफा ममता

सीएम ममता बनर्जी ने ईसीआई पर सात एईआरओ को एकतरफा रूप से निलंबित करने का आरोप भी लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अपना पक्ष रखने का कोई मौका नहीं दिया गया। आयोग लगातार निर्वाचन अधिकारियों को धमका रहा है और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप भी कर रहा है। मैं आयोग से अधिक लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करने का अनुरोध करती हूं। हालांकि पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि सात एईआरओ को एसआईआर के लिए ईसीआई द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के वास्तविक कारणों से निलंबित किया गया था।

ममता बनर्जी ने सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कालीघाट आवास पर कई सुरक्षा उल्लंघनों का आरोप लगाया है, जिनमें कथित तौर पर हथियार लेकर परिसर में प्रवेश करने की घटनाएं भी शामिल हैं। विधानसभा चुनाव से पहले एबीपी आनंद को दिए एक साक्षात्कार में बनर्जी ने दावा किया कि कम से कम तीन से चार बार घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। उन्होंने बताया कि एक बार एक व्यक्ति लोहे की छड़ लेकर परिसर में घुसा, जबकि दूसरी बार एक व्यक्ति कथित तौर पर बंदूक लेकर आया था। उन्होंने कहा कि जब भी कुछ होता है, तो कहा जाता है कि वह व्यक्ति मनोरोगी या मानसिक रूप से अस्थिर है। अभी तक कोई उचित जांच नहीं हुई है।

सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़

हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि करीब छह महीने पहले कालीघाट रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने दावा किया कि एक राजनीतिक दल, जो अक्सर उनके लिए परेशानी खड़ी करता है, के सदस्यों ने कैमरों को बंद करवाने के लिए लोगों को भेजा था। उनके अनुसार, स्थानीय निवासियों ने हस्तक्षेप किया और इसमें शामिल लोगों को पकड़ लिया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इस मामले में की गई किसी भी कार्रवाई की जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस की ओर से लापरवाही का आरोप लगाया।

यूपी बजट सत्र: विपक्ष के निशाने पर सरकार

» सपा ने भाजपा को कई मुद्दों पर घेरा, शिवपाल व ऊर्जा मंत्री में बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का बजट सत्र जारी है।बुधवार को भी सदन में सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी बहस हुई। सपा ने भाजपा को कई मुद्दों पर घेरा। प्रश्नकाल में प्रदेश में बिजली आपूर्ति और मुफ्त बिजली देने का मुद्दा विपक्ष ने उठाया जिस पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जवाब दिया। इस दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष में तकरार भी हुई।

वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि खादी आश्रम की जमीन को सपा सरकार में कुछ लोगों को समझौते के तहत दिया गया था जिसे अब सरकार ने अपने पक्ष में अधिग्रहीत करने का मन बनाया है। मामले में लीगल ओपीनियन ली जा रही है जिन लोगों को जमीन दी गई थी उन्होंने कॉलेज बनाने की बात की थी पर नहीं बनाया। अब सरकार अपने पक्ष में जमीन अधिग्रहीत करने के लिए काम कर रही है। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मेरठ में गांधी आश्रम की जमीन पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि जमीन पर लगातार कब्जे की कोशिश की जा रही है। जो कि हमारे पूर्वजों के खून-पसीने की है। इस पर चर्चा की जाए जिससे कि वस्तुस्थिति सामने आ सके। ऊर्जा मंत्री के जवाब पर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने नाराजगी जताई और कहा कि वो असत्य बोलते हैं। वो कह रहे हैं कि सपा सरकार में कुछ काम नहीं हुआ है। वो अधिक बोल रहे हैं। हमने कोई पाप नहीं किया है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री जी ऐसा नहीं कहा कि सपा सरकार में कुछ काम नहीं हुआ। उन्होंने ये भी बताया कि 2017 से पहले क्या काम हुआ था और 2017 के बाद क्या-क्या हुआ।

दिव्यांगजन, वृद्ध और बीपीएल को मुफ्त बिजली देने पर सवाल

प्रश्नकाल में सपा नेता डॉ. रागिनी सोनकर ने ऊर्जा मंत्री से सवाल किया कि क्या सरकार 300 यूनिट फ्री बिजली दिव्यांगजन, वृद्ध और बीपीएल को देगी? इस पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन, वृद्ध और बीपीएल हमारे लिए संवेदनशील विषय हैं। सरकार इन वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य, बिजली और अन्य कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध करवा रही है। ऐसे लोगों की संख्या राज्य में करीब 3 करोड़ 72 लाख है जिन्हें कम दाम पर मुफ्त बिजली दी जा रही है। ऊर्जा मंत्री के जवाब पर सपा नेता शिवपाल सिंह ने नाराजगी जताई और कहा कि मंत्री असत्य बोलते हैं कि 2017 के पहले कुछ काम ही नहीं हुआ है।

ऊर्जा मंत्री का दावा, हमारी सरकार में किसानों को दी जा रही मुफ्त बिजली

यूपी विधानसभा सत्र के दौरान सपा नेता व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बीच किसानों को मुफ्त बिजली देने पर तकरार हो गई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 2017 से पहले किसानों को 10 लाख बिजली कनेक्शन दिए गए थे। हमने सिर्फ नौ वर्षों में आठ लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन दिए और किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं जारी करने के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया: सपा विधायकों ने मंगलवार को विधानसभा में एसआईआर में गड़बड़ी और जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं जारी करने के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने आरोप लगाया कि उनकी बातचीत में एसडीएम ने स्वीकार किया है कि उसे प्रमाणपत्र जारी करने से मना किया गया है।

लॉरेंस गैंग का बदमाश बॉबी कबूतर गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी करने वाले कुख्यात बदमाश बॉबी कबूतर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे इस इनामी बदमाश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। बॉबी कबूतर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के कई मामलों में वांछित था, जिसमें मकोका और एनआईए के मामले भी शामिल हैं।

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं। हाल ही में नदीम ब्रदर्स की हत्या के मामले में इसी बदमाश द्वारा सबसे ज्यादा गोलियां चलाने की बात सामने आई थी। स्पेशल सेल ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से इसकी गिरफ्तारी कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है।

सुप्रीम फैसला: आर्थिक अपराधों में जमानत के सिद्धांत कड़े

» इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ के आदेश को किया रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जघन्य अपराधों में जमानत सिद्धांत गंभीर आर्थिक अपराधों पर भी समान रूप से लागू होते हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ के आरोपी को समानता के आधार पर जमानत देने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

आरोपी ने बड़े पैमाने पर खाद्यान्न की आपूर्ति में धोखाधड़ी कर फर्जी दस्तावेजों और नकली पहचान से रकम हड़पी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जघन्य अपराधों में जमानत से जुड़े सिद्धांत गंभीर आर्थिक अपराधों पर भी समान रूप से लागू होते हैं, क्योंकि ऐसे अपराध नागरिकों के आर्थिक कल्याण और जीवन की गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करते हैं. जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें वित्तीय अपराध के आरोपी को केवल समानता के आधार पर जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरोपी की सक्रिय भूमिका, आपराधिक इतिहास और बार-बार समान अपराध करने की प्रवृत्ति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार नहीं किया।

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव का एलान

» चुनाव आयोग की घोषणा- 16 मार्च को पड़ेंगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का एलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि इन 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होंगे। इनमें महाराष्ट्र की सात, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा।

वहीं ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, , असम की तीन, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, तेलंगान की दो और हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है। राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा जो शेड्यूल जारी किया गया है, उसके मुताबिक 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। 5 मार्च को नामांकन भरे जाएंगे और 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 9 मार्च तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से 4 बजे तक मतदान होगा और 16 मार्च को ही वोटों की गिनती होगी। 20 मार्च 2026 से पहले चुनाव पूरा होना है। जिन दिग्गज नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनमें शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, कनिमोझी, साकेत गोखले, उपेंद्र कुशवाहा, राज्यसभा के डिप्टी स्पीकर हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर और अभिषेक मनु सिंघवी आदि शामिल हैं।

इस चुनाव का असर

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को विधानसभा में अपनी मजबूत स्थिति का फायदा मिलेगा। वहीं तमिलनाडु और बंगाल में क्रमशः डीएमके और टीएमसी को ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद हैं। हालांकि लेफ्ट के बंगाल में शून्य होने के बाद एक सीट भाजपा के खाते में जा सकती है। बिहार में भाजपा गठबंधन की मजबूत स्थिति को देखते हुए यहां पांच में से चार सीटें एनडीए को मिल सकती हैं। तेलंगाना में कांग्रेस आगे रहेगी और हिमाचल प्रदेश में एक सीट पर कड़ी टक्कर हो सकती है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा